(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) किन-किन अधिकारियों के विरुद्ध यह जांच की जा रही है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप मंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास) :

(क) जी, नहीं।

(ख) और (ग) यह सवाल पैदा ही नहीं होता।

समाचारपत्रों को रियायती दर पर अखबारी कागज की सप्लाई

1568. **डा. बापू कालदाते :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार समाचार पत्र समूहों को रियायती दरों पर अखबारी कागज उपलब्ध कराती है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि कुछ छोटे समाचार पत्र अखबारी कागज को रियायती दरों पर खरीदने के पश्चात उसे ऊंची दरों पर बेच देते हैं;

(ग) यदि हां, तो ऐसे समाचार पत्रों के विरुद्ध सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जाती है;

(घ) क्या यह सच है कि रत्नागिरी से प्रकाशित होने वाला एक समाचार पत्र अखबारी कागज को सरकार से रियायती दर पर खरीदने के पश्चात उसे बाजार में बेच देता है; और

(ङ) यदि हां, तो इस समाचार पत्र के विरुद्ध सरकार क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप मंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास) : (क) जी, नहीं।

(ख) से (ङ) सरकार के नोटिस में ऐसा कोई मामला नहीं आया है। अखबारी कागज की पात्रता के लिए प्रमाणपत्र जारी करने से संबद्ध 5 मई, 1992 को अधिसूचित मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार अखबारी कागज न तो बेचा जाना चाहिए और न ही स्थानांतरित किया जाना चाहिए। लेकिन भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय को सूचित कर एक समाचारपत्र द्वारा दूसरे समाचारपत्र को यह उधार पर दिया जा सकता है। अखबारी रकागज का अनधिकृत इस्तेमाल करने प संबंधित समाचारपत्रों को भविष्य में आयात पात्रता प्रमाणपत्र प्राप्त करने के अधिकार से वंचित कर दिया जायेगा।

रत्नागिरी में उच्च शक्ति वाले टी० वी० ट्रांसमीटर का स्थापित किया जाना

1569. **डा०बापू कालदाते :**
श्रीमती मीरा दास :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रत्नागिरी के दूरदर्शन केन्द्र के टी०वी० ट्रांसमीटर की क्षमता कम होने के कारण उस क्षेत्र के लोग दूरदर्शन के कार्यक्रमों को देख नहीं पाते हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि वहां की जनता ने सरकार से कई बार वहां एक उच्च शक्ति का टी०वी० ट्रांसमीटर स्थापित किये जाने का अनुरोध किया है ;

(ग) यदि हां, तो वहां अभी तक एक उच्च शक्ति का टी०वी० ट्रांसमीटर स्थापित न किये जाने के क्या कारण हैं;

(घ) सरकार रत्नागिरी में कब तक एक उच्च शक्ति वाले ट्रांसमीटर की स्थापना करेगी; और

(ङ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप मंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास) : (क) रत्नागिरी कस्बे में कार्यरत अल्प शक्ति (100 वाट) टी०वी० ट्रांसमीटर से, उसकी क्षमता कम होने के कारण, समूचे जिले में टी०वी० सेवा उपलब्ध कराने की अपेक्षा नहीं की जाती।

(ख) जी, हां। विभिन्न पक्षों से, समय-समय पर, रत्नागिरी जिले में उच्च शक्ति टी०वी० ट्रांसमीटर लगाने के लिए अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं।

(ग) से (ङ) पर्याप्त साधनों की उपलब्धता और परस्पर प्राथमिकताओं को देखते हुए जिले में टी०वी० सेवा सुदृढ़ करने के प्रयोजन से, रत्नागिरी जिले में हाथीखम्बा में एक उच्च शक्ति टी० वी० ट्रांसमीटर की स्थापना की परिकल्पना की गई है। सरकार से इस परियोजना के लिए औपचारिक अनुमोदन प्राप्त होने के पश्चात, ऐसी परियोजना के पूरा होने में लगभग 4 वर्ष का समय लग जाता है।

आकाशवाणी/दूरदर्शन द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रसारण

1570. **श्री राजभाई ए० परमार :** क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हमारे देश के सीमावर्ती क्षेत्रों में दूरदर्शन और आकाशवाणी के कार्यक्रमों का प्रसारण (कवरेज) नहीं होता है जिसके परिणामस्वरूप वहां पर निकटवर्ती पड़ौसी देशों के टी०वी० और रेडियो कार्यक्रमों को देखा तथा सुना जाता है;

(ख) यदि हां, तो 31 मार्च, 1992 की स्थिति के अनुसार ऐसे क्षेत्रों तक उनके प्रसारण (कवरेज) का प्रतिशत कितना रहा है ;

(ग) सीमावर्ती क्षेत्रों तक दूरदर्शन और आकाशवाणी के प्रसारण (कवरेज) का विस्तार करने के लिए क्या सरकार ने संबंधित केन्द्रों की प्रसारण क्षमता में वृद्धि की है; और

(घ) यदि हां, तो उनका केन्द्रवार ब्यौरा क्या है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप मंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास : (क) और (ख) सीमावर्ती जिलों के काफी बड़े हिस्सों को आकाशवाणी की प्राथमिक ग्रेड/शार्ट वेव सेवा प्राप्त हो रही है। इसके अलावा ये दूरदर्शन ट्रांसमीटरों के कवरेज क्षेत्र में भी आते हैं।

(ग) और (घ) सीमावर्ती क्षेत्रों में रेडियो/टी०वी० कवरेज को सुदृढ़ बनाने के लिए कई परियोजनाओं पर विभिन्न चरणों में काम चल रहा है, जिनमें से कुछ ये हैं :

आकाशवाणी : (1) शिमला, कोहिमा, बीकानेर, कलकत्ता और कुर्सियांग के ट्रांसमीटरों की शक्ति बढ़ाना।

(2) इम्फाल, जयपुर तथा ईटानगर में नए ट्रांसमीटरों की स्थापना करना।

दूरदर्शन : फाजिल्का, जैसलमेर, बाड़मेर भुज, लेह, गंगटोक, लंगलेश तथा रामेश्वरम में उच्च शक्ति ट्रांसमीटर लगाना।

आकाशवाणी/दूरदर्शन केन्द्र स्थापित किये जाने के संबंध में मानदण्ड

1571. **श्री राजूभाई ए० परमार :** क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आकाशवाणी केन्द्र और दूरदर्शन केन्द्र स्थापित किये जाने के लिए क्या मानदण्ड निर्धारित किए गए हैं;

(ख) क्या यह सच है कि कई स्थानों/जिलों द्वारा यह मानदण्ड पूरा किये जाने के बावजूद वहां आकाशवाणी केन्द्र/दूरदर्शन केन्द्र स्थापित नहीं किए गए हैं; और

(ग) यदि हां, तो ऐसे जिलों के नाम क्या-क्या हैं और वहां पर इन आकाशवाणी केन्द्रों/दूरदर्शन को स्थापित न किये जाने के क्या कारण हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय उप मंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास) (क) आकाशवाणी और दूरदर्शन केन्द्र की स्थापना के लिए जिन मानदण्डों अनुसरण किया जाता है उनमें कई ब